आतिश मार्केट के गोविंददेवजी मंदिर जाने वाले रास्ते पर दरवाजा अटक गया। इसे दुरुस्त करते लोग।

जयपुर महानगर टाइम्स

प्रेरक प्रसंग

मगध में एक संन्यासी आया। वह हमेशा अपनी धुन में मस्त रहता । उसके तप और तेज का प्रभाव चारों दिशाओं में फैलने लगा। उसके व्यक्तित्व पर राजकुमारी मोहित हो गई। उसने संन्यासी से विवाह करने का निश्चय किया। जब राजा को पता चला तो उसने संन्यासी को राजकुमारी के साथ विवाह करने को कहा। संन्यासी बोला, 'मैं तो हूं ही नहीं। विवाह कौन करेगा?' इस उत्तर से राजा ने अपने आपको अपमानित महसूस किया। उसने आदेश दिया कि तलवार से संन्यासी का वध कर दिया जाए। संन्यासी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'शरीर के साथ मेरा आरंभ से ही कोई संबंध नहीं रहा। जो अलग ही है, आपकी तलवार उन्हें और क्या अलग करेगी? मैं तैयार हूं। आप जिसे मेरा सिर कहते हैं उसे काटने के लिए उसी प्रकार तलवार को आमंत्रित करता हूं, जैसे बसंत की वायु पेड़ों से उनके फूलों को गिरा रही है।' वह मौसम सचमुच बसंत का था। राजा ने एक बार उन फूलों को देखा, फिर संन्यासी को आनंदित आंखों को। उसने सोचा, 'जो मृत्यु को भी जीवन की भांति स्वीकार करता है, उसे मारना व्यर्थ है।' उसने अपना आदेश तुरंत वापस ले लिया।

अष्ट योग-1028

1. प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है।
2. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक अंक लिखना अनिवार्य है। अंकों का क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।
3. गहरे रंग के बॉक्स में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों में की संख्या का कुल योग होगी।
4. आठों वर्गों में संख्या की पुनरावृत्ति भी हो सकती है, लेकिन सीधी अथवा आड़ी में 1 से 7 तक के अंक होने ही अनिवार्य हैं।

3			6	4		1
4	33	4	40	7	31	2
	2	6	3		1	
1	29		37		35	5
	1		4	3	5	
6	30	2	24	1	30	3
5		1	4			7

नौ चौकी-1028

8				9			3	
	1	4	5					6
2		5		1		9		
	8				7			
5	6			3			9	8
			9				2	
		7		6		3		2
3					5	8	6	
	9			2				7

संकेत : आड़े, खड़े व 3×3 के वर्ग में 1 से 9 तक के अंक इस प्रकार भरें कि किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो। उत्तर कल के अंक में।

वर्ग पहेली-1528

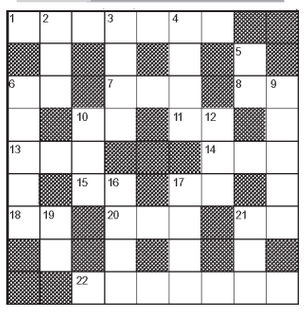

बाएं से दाएं
1. भगवान, ईश्वर, रब-7
6. रुपए का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य, कीमत, दर-2
10. जी, इच्छा, चित-2
11. नलका, टोंटी-2
13. बारीक, सूक्ष्म-3
14. रेखा, लाइन-3
15. रग, नाड़ी-2
17. अधिकार-2
18. वध, कत्ल, मर्डर-2
20. दौड़ने वाला, धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना, प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे
2. निर्माण, बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलाने वाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह, जिज्ञासा-3
16. हद, सीमा, बार्डर-4
17. हमेशा, सदैव-4
19. बलिदान, परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द अंताक्षरी-1028

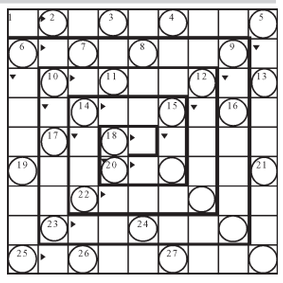

संकेत
गोलाकार खाने के अक्षर का दुबारा प्रयोग कर इस पहेली को पूर्ण कीजिए।

बाएं से दाएं
1. मल्लिका-2
2. नीरज-3
3. संसार-3
4. हंगामा-4
6. काबिलता-3
7. संख्या-3
8. पट-4
10. व्यंग्यचित्र-3
14. बुरा नाम-4
18. अपशब्द-2
20. शहर-3
22. अंदर की चोट-5
23. नशेबाज-4
24. रस लूटना-4
25. बर्बाद-3
26. खलबल-4
27. प्रेम में आशक्त-4

ऊपर से नीचे
5. तरीका-3
6 बिना योजना के-5
9. स्वाद-3
10. डरपोक-3
12. आभूषण-5
13. कलंकित-4
14. बड़े भाई की पत्नी-4
15. अगर, मगरमच्छ-3
16. कार्य के लिए सोचना-5
17. एक महीना-4
18. संगीत-2
19. सीख, शिक्षा-4
21. फिसलन-4

वर्ग पहेली 1527 का हल

स	ही		का		म		ह	क
ला		सा	या		य	श		हा
म	त	ली		सां		क	ल	र
	ल		च	प	ल		ह	
ब	ब	रा	ना		च	प	ल	ता
	गा		ब	हा	र		हा	
भ	र	म		नि		प	ना	ह
ला		द	ल		क	द		बे
ई	ख		म्हा		ली		डा	ली

नौ चौकी-1027 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द अंताक्षरी-1027 का हल

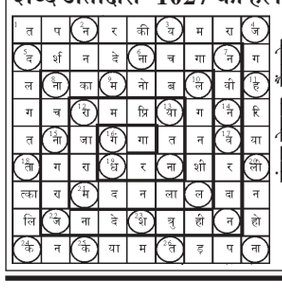

मंगल वेणुचा, बँगलोर

अष्ट योग-1027 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	29	6	37	2	31	1
4	3	7	1	6	2	5
5	29	1	33	4	37	6
6	1	2	5	7	4	3
2	33	4	31	3	30	7
7	6	5	4	1	3	2

मजबूरी की जेंडर समानता

अंजलि सिन्हा

कुछ समय पहले केरल सरकार ने महिलाओं को आबकारी गार्ड के रूप में भर्ती करने का फैसला किया था। अभी तक यह क्षेत्र सिर्फ पुरुषों के लिए खुला था। पहले चरण में वहां 274 महिला गार्डों की भर्ती की जाएगी, बाद में इसके लिए विभाग के जिला प्रमुखों को भर्ती करने के लिए निर्देश जारी किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस उपाय से लैंगिक (जेंडर) समानता सुनिश्चित होगी और अवैध शराब बनाने और बेचने पर नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है। असल में प्रशासन इस व्यवसाय में महिलाओं की भागीदारी के जरिए अवैध शराब से जुड़ी समस्याओं का समाधान ढूंढ रहा था। अधिकारियों का कहना है कि जहां-जहां महिलाएं इस व्यवसाय में शामिल हैं, वहां सिर्फ पुरुष गार्डों से नियंत्रण पाना संभव नहीं हैं।

बढ़ रही संवेदनशीलता

ठीक यही वजह महिला पुलिस भर्ती के संदर्भ में देखी जा सकती है। जब विभिन्न आंदोलनों में महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर भागीदारी की और कहीं-कहीं महिलाएं खुद आंदोलन की अगुआई करती दिखीं तो सरकार के लिए यह जरूरी हो गया कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर गठित बल में महिलाओं को भी स्थान दे। महिला संगठनों की मांग, आंदोलनों के दबाव में और साथ ही जेंडर के मुद्दे पर बढ़ रही संवेदनशीलता के कारण ही यह संभव हुआ कि महिलाओं की गिरफ्तारी पुलिस के पुरुष सदस्य नहीं कर सकते।

साथ ही, आम लोगों में भी यह जागरूकता बनी थी कि पुरुष पुलिस महिलाओं को हाथ भी नहीं लगा सकती। निश्चय ही विभिन्न अपराधों में महिलाओं की बढ़ती संलग्नता के चलते सरकार ऐसे उपाय करने के लिए बाध्य हुई होगी। महिला पुलिस फोर्स के अभाव में अपराधी महिलाओं पर काबू पाना संभव नहीं था। यह तो सही है कि ऐसी नौकरियों में महिलाओं को प्रवेश मिलने से उन क्षेत्रों में भी उनके लिए दरवाजा खुला, जिन्हें समाज और सरकार ने महिलाओं के लिए वर्जित कर रखा था। इसके फलस्वरूप जेंडर आधारित भेदभाव को भी चुनौती मिली। एक स्तर पर देखें तो ऐसा परिवर्तन सकारात्मक है क्योंकि श्रम और विकास के मामले में संविधान महिलाओं को बराबर का हक देता है। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि सरकारों ने इस तरह के कदम जेंडर समानता कायम करने के उद्देश्य से नहीं उठाए। इसलिए इन उपायों से अगर कोई समानता आएगी, तो वह साइड इफेक्ट की तरह ही होगी।

स्थितियों की मांग

इस बात को कुछ अन्य संदर्भों से जोड़कर समझा जा सकता है। जैसे जिन

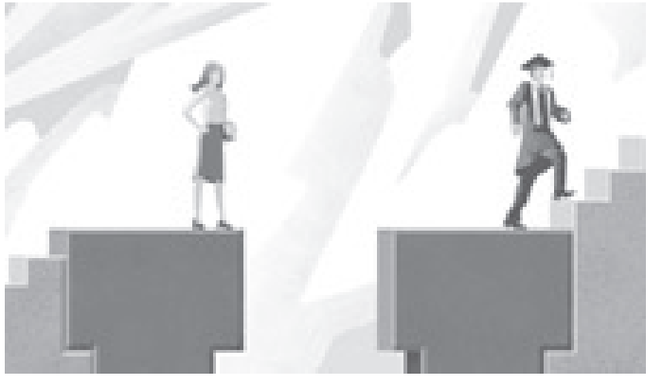

कई क्षेत्रों में महिलाओं के लिए रोजगार के दरवाजे खुले हैं वे इसलिए खुले क्योंकि वहां स्थितियां ही ऐसी बन गई थीं। जैसे, अब कुछ बड़े शहरों में पेट्रोल पंपों पर महिला स्टाफ को भी देखा जा सकता है। इसकी वजह यह है कि क्योंकि अब शहर की सड़कों पर महिलाएं भी कार या स्कूटर चलाती दिखने लगी हैं। कुछ महीने पहले दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ने घोषणा की थी कि अब बसों में कंडक्टर के पद पर भी महिलाओं की नियुक्ति की जाएगी। दुकानों, शॉपिंग मॉल्स जैसे कई स्थानों पर अब महिला कर्मचारी काफी तादाद में दिखती हैं। ऐसी नौकरियों में उन्हें जगह क्यों मिली, इसकी वजह जानना ज्यादा मुश्किल नहीं है।

मध्यम और निम्न मध्यम वर्गीय महिलाओं ने घरेलू कामकाज करने के अलावा अपनी सामाजिक और आर्थिक पहचान बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सार्वजनिक कार्यस्थलों में प्रवेश किया है। पिछले एक दशक के अंदर कॉल सेंटर, मॉल्स, मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी तथा फाइनेंस आदि क्षेत्रों में महिला कामगारों की बढ़ती मांग इसका सबूत है। अगर हम देशी या बहुराष्ट्रीय कंपनियों के नजरिए से देखें तो श्रम शक्ति के तौर पर वे महिलाओं का प्राथमिकता देंगी। इसकी वजह यह है कि महिलाएं अब तक पुरुष कर्मचारियों के मुकाबले कम अथवा नगण्य मजदूरी पर काम करती आई हैं। यह संभावना भी कम होती है कि महिला कर्मचारी कोई यूनियन बनाएं। महिलाएं अक्सर नौकरी की सुरक्षा के

बिना और कम मजदूरी पर भी काम करने को तैयार रहती हैं। यह अकारण नहीं कि भारत, बांग्लादेश से लेकर दक्षिण एशिया के तमाम देशों में उन कार्यों में महिला कर्मचारियों की संख्या ही अधिक है, जिनमें काम के घंटों की कोई सीमा नहीं है या जहां पर मजदूरी भी कम है।

महिलाओं का घर के बाहर जाकर काम करना परिवार की रहन-सहन के स्तर को बनाए रखने के लिए भी जरूरी होता है। साथ ही यह इस बात का भी परिचायक है कि महिलाओं के अंदर एक नई जागृति आई है। जहां एक तरफ महिलाएं खुद को चूल्हे-चौके तक सीमित नहीं रखना चाहतीं, वहीं दूसरी ओर अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में उनके पहुंच बढ़ने से महिलाओं की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। हमारे देश में कृषि और उत्पादन के अलावा सर्विस सेक्टर का अर्थव्यवस्था में हिस्सा 40 फीसदी तक है। इस क्षेत्र में महिला कर्मचारियों की बढ़ती उपस्थिति को उपलब्धि के तौर पर दर्ज किया गया है।

टूटा पुरुषों का एकाधिकार

अमरीका जैसे विकसित मुल्क में जब औद्योगिकीकरण के चलते सर्विस सेक्टर उभरा, तो वहां नए किस्म के तमाम रोजगारों का सृजन हुआ। इन नए कार्यों को अकेले पुरुषों के बल पर अंजाम देना संभव भी नहीं था। पहले क्लर्क के काम पर पुरुषों का एकाधिकार समझा जाता था, लेकिन जब महिलाओं ने इस क्षेत्र में प्रवेश किया, क्लर्क के पेशे का भी स्त्रीकरण हो गया। इसी तरह टाइप राइटिंग के काम का स्त्रीकरण होने में अधिक वक्त नहीं लगा।

कनाडा, जहां पिछले 30-40 सालों में श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है, वहां श्रम के स्त्रीकरण की परिघटना कई स्तरों पर घटित हुई दिखती है। वहां नर्स, अध्यापन, क्लर्क और सेवा तथा बिक्री के क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों में महिलाओं का प्रतिशत 70 तक है। दूसरे नॉन स्टैंडर्ड कामों में, अस्थायी किस्म के कामों में या पार्ट टाइम जॉब्स में भी महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक दिखती हैं। वहां महिला कर्मचारियों की संख्या ज्यादा होने की बड़ी वजह यही है कि उन्हें न तो ज्यादा सामाजिक सुरक्षा हासिल है और न ही वे दूसरे लाभ उतनी मात्रा में देने पड़ते हैं, जितने पुरुष कर्मचारियों को देने होते हैं।

विकसित देशों में भी बच्चों के पालन-पोषण तथा परिवार की अन्य जिम्मेदारी उठाने के मामले में स्त्री-पुरुषों के बीच असमानता कायम है जिसका खामियाजा महिलाओं को उठाना पड़ रहा है। यहां सवाल यह उठता है कि क्या साइड इफेक्ट के तौर आ रही इस जेंडर समानता का विरोध किया जाए या वास्तविक जेंडर समानता लाने के लिए इस अवसर का उपयोग किया जाए? अब समय आ गया है कि स्त्री मुक्ति के लिए सक्रिय लोग इस मसले पर अपनी एक मुकम्मल राय कायम करें।

- (लेखिका 'स्त्री अधिकार संगठन' से संबद्ध हैं)

न्यूज-ब्रीफ

विवि थियेटर में आज भस्मासुर का मंचन

महानगर संवाददाता

जयपुर, 10 मार्च (मसं)। राजस्थान विश्वविद्यालय के नाट्य विभाग की ओर से ओपन एयर थियेटर में वर्तमान राजनीति में नेताओं के मुद्दा और सिद्धांतविहीन चरित्र पर प्रकाश डालने के लिए नाटक 'भस्मासुर' का मंचन आज शाम किया जाएगा। विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना श्रीवास्तव ने बताया कि रामकुमार परमार लिखित यह नाटक स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राजनीतिक चरित्र में आ रही गिरावट पर केंद्रित है। यह नाटक बीसवीं शताब्दी के आठवें दशक में लिखा गया था। उस समय समूचे राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में राजनेता का जो नकारात्मक पक्ष उभरकर सामने आया उसे ही भस्मासुर की संज्ञा दी गई है। निदेशक पवन कुमार श्योराण ने बताया कि मंचन के दौरान विवि नाट्य विभाग के विद्यार्थी एवं सहायक कलाकार भस्मासुर के मंचन में वर्तमान समय की मुद्दाविहीन राजनीति और जनसमर्थन जुटाने के सिद्धांतहीन तरीकों से उसी उपहासास्पद स्थिति को प्रदर्शित करेंगे। दो दिवसीय नाटक का मंचन आज और कल शाम सात बजे होगा। नाटक में नेताओं की ओर से पृथ्वी पर फैलाई जा रही अराजकता और ब्रह्माण्ड को हड़पने की भी उनकी योजना के कल्पनात्मक पक्ष को साकार रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर बल

जयपुर, 10 मार्च (मसं)। भारतीय गोवंश रक्षण संवर्धन परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री खेमचंद ने गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गोचर भूमि के विकास, नस्ल सुधार, गौ आधारित औषधियों के विक्रय पर बल दिया है। वे भारत माता मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम में विचार व्यक्त कर रहे थे। वे हरिद्वार में दो से चार अप्रेल को आयोजित अखिल भारतीय गौ सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेने आए थे। बैठक में जयपुर, चित्तौड़गढ़, जोधपुर प्रांत के 16 प्रतिनिधि उपस्थित थे। समिति के कार्यकारी अध्यक्ष जयबहादुर सिंह शेखावत ने चार गौशालाओं को पांच-पांच हजार की अनुदान राशि प्रदान की।

रंगनाथ मिश्र कमीशन रिपोर्ट का विरोध

जयपुर, 10 मार्च (मसं)। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास मंडल झोटवाड़ा ने रंगनाथ मिश्र कमीशन रिपोर्ट में धर्मांतरित दलित और अल्पसंख्यकों को जोड़ने का विरोध किया है। मंडल के अध्यक्ष राजेश सालोदिया ने बताया कि संविधान के मुताबिक जो अनुसूचित जाति वर्ग में शामिल हैं। उन लोगों को अनुसूचित जाति में जोड़ने से आरक्षण प्रतिशत तो उतना ही रहेगा लेकिन आरक्षण मांगने वालों की संख्या अधिक हो जाएगी।

अन्तरराज्यीय मार्गों का होगा निजीकरण

महानगर संवाददाता

अजमेर, 10 मार्च। यातायात विभाग जल्द ही अन्तरराज्यीय मार्गों

का निजीकरण करेगा ताकि इन मार्गों पर चलने वाली अनाधिकृत बसों से निजात मिल सके। यह कहना है कि यातायात राज्यमंत्री बृजकिशोर शर्मा का। वे अजमेर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड (एसीटीएसएल) के लोकार्पण समारोह में शिरकत करने यहां आए। राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अन्तरराज्यीय मार्ग के परमिट दिए जाएंगे। इससे रोडवेज को अनाधिकृत बसों से होने वाले घाटे से बचाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि विकास की रफ्तार धीमी है। इसमें धन की कमी मुख्य वजह है।

602 करोड़ के घाटे के बाद सालाना 185 करोड़ के बढ़ते घाटे की हालत में तेजी से विकास संभव नहीं है। सही प्रबंधन, कम खर्च और यात्री सुविधा से विभाग को उबारा जा सकता है।

शर्मा ने कहा कि परिवहन महकमा मॉडर्न लग्जरी बसों के संचालन के प्रयास में जुटा है। योजना आयोग से चर्चा चल रही है। जल्द ही वॉल्वो व डीलक्स बसों में टीवी चैनल बढ़ाने के साथ यात्रियों की सुविधा में इजाफा किया जाएगा।

यातायात मंत्री शर्मा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अप्रेल माह में परिवहन विभाग में भी अन्य विभागों की तरह भारी फेरबदल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह तबादले परिवहन विभाग की आय की मेरिट के आधार पर किए जाएंगे।

थानाप्रभारी की गिरफ्तारी को लेकर आक्रोश बढ़ा

लोगों का प्रतिनिधिमंडल वसुंधरा से मिला

महानगर संवाददाता

जयपुर, 10 मार्च। धरने, प्रदर्शन और आंदोलन के बावजूद कालेज छात्रा निशा की मौत के जिम्मेदार थाना अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए मानसरोवर विकास मंच के बैनर तले आज आंदोलनरत लोग पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिले और न्याय दिलवाने की मांग की।

मंच के संरक्षक विवेक कालिया ने बताया कि उनके साथ सिंधी सेंट्रल पंचायत, जयपुर स्थानीय निवासियों का प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के निवास स्थान पर पहुंचकर उनसे पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की गुहार की।

समग्र मानसरोवर विकास मंच के अध्यक्ष अभय पुरोहित ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री से मुलाकात कर इस प्रकरण में राज्य सरकार द्वारा अपनाए जा रहे उदासीन रवैये से अवगत कराया गया। आरोपित थाना अधिकारी को गिरफ्तार करने और उसे निलंबित करने की मांग की जाएगी। पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की भी मांग भी गई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भाजपा नेता विवेक कालिया ने किया।

कनोड़िया में नेत्र शिविर आयोजित

जयपुर, 10 मार्च (मसं)। महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति ने कनोडिया कॉलेज में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया। सहाय आई हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में अनेक छात्राओं ने अपनी आंखों की जांच करवाई। मुख्यअतिथि महापौर ज्योति खंडेलवाल विशिष्ट अतिथि नेहरू युवा केंद्र की मंडल निदेशक अनिता भारतीय थी। अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या रश्मि चतुर्वेदी ने की। समिति के प्रदेश प्रभारी मनीष कुमार शर्मा ने महापौर का अभिनन्दन किया।

महिलाएं आ गईं तो..

(पृष्ठ 1 का शेष)

उपलब्ध होंगी। ऐसे में, यह अंदाजा लगाना आसान है कि रुढ़िवादी सोच वाले पुरुषों के लिए इसे पचा पाना आसान नहीं है, खासकर तब जबकि लंबे समय से राजनीति को पुरुषों का अधिकार क्षेत्र और फायदेमंद कैरियर वाली जगह माना जाता है।

सिर्फ लोकसभा में ही नहीं, बल्कि यह बिल राज्यों की विधानसभाओं में भी पुरुष वर्चस्व को कम कर देगा। इस समय सभी विधानसभाओं को मिलाकर कुल 4,109 सीटें हैं, जिनमें से 1167 एससी/एसटी के लिए आरक्षित हैं। महिला आरक्षण बिल पास होने पर इनमें से 1,370 सीटें महिलाओं के पास चली जाएंगी।

विद्यार्थी मित्रों ने निकाली रैली

महानगर संवाददाता

जयपुर, 10 मार्च। स्थाई नियुक्ति की मांग को लेकर विद्यार्थी मित्रों ने रैली निकाल कर विधानसभा पर प्रदर्शन किया। राजस्थान विद्यार्थी मित्र संघ के बैनर तले यह रैली शहीद स्मारक से राजस्थान विधानसभा तक निकाली गई। रैली में बूंदी, हनुमानगढ़, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, चूरू, दौसा, बांसवाड़ा, टोंक, बारां, झुंझुनूं, भीलवाड़ा, नागौर, झालावाड़, धौलपुर, अलवर, श्रीगंगानगर, पाली, बाड़मेर के विद्यार्थी मित्र शामिल थे।

होमगार्ड जवानों का प्रदर्शन: राजस्थान होमगार्ड कर्मचारी संगठन की ओर से कर्मचारियों को नियमित करने, चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने, वेतन वृद्धि व अन्य मांगों को लेकर होमगार्डों ने विधानसभा पर धरना देकर प्रदर्शन किया।

प्रताप नगर में आदिनाथ जयंती मनाई

महानगर संवाददाता

जयपुर, 10 मार्च। प्रताप नगर सेक्टर-17 में श्री आदिनाथ जैन सेवा समिति द्वारा जैन समाज के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। समिति के अध्यक्ष दीपक गोधा ने बताया कि इस अवसर पर भगवान का विशेष अभिषेक नैनवा से आए पंडिताचार्य नरेन्द्र जैन के सहयोग से किया गया। भगवान आदिनाथ की शोभायात्रा और कलश यात्रा पुष्पवर्षा के साथ निकाली गई। कैलाश दीवाना महुआ एण्ड पार्टी द्वारा आयोजित भजन संध्या ने श्रद्धालुओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

7 रिवाल्वर, 250 कारतूस और 60 हजार नकदी मिली

(पृष्ठ 1 का शेष)

ने अपने-अपने थाने से जाब्ता लेकर नाकाबंदी शुरू करवाई। पुलिस की गाड़ी जब खेड़ली फाटक के पास पहुंची तो वहां पर बिना नम्बरी स्कॉर्पियों कार में बदमाश बैठे हुए थे। पुलिस के आते देख सभी भागने लगे पुलिस ने चारों तरफ घेराबंदी करके उन्हें दबोच लिया। युवकों ने अपना नाम विनोद सिंह (24) पवन (22), गिर्राज सिंह (27), रामू (33) सभी निवासी भिण्ड (मध्यप्रदेश) नरेंद्र सिंह निवासी ईटावा (कोटा) और गोविंद सिंह निवासी गुमानपुरा को पकड़ लिया।

कोटा का मोस्टवांटेड शिवराज सिंह मौके से फरार हो गया। स्कॉर्पियों की तलाशी के दौरान सात रिवाल्वर, 250 कारतूस, 60 हजार रुपए बरामद हुए। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि सभी बदमाश मोस्टवांटेड है। एक-एक के खिलाफ हत्या, लूट और अपहरण के 15-15 मुकदमें दर्ज हैं। सभी को शिवराज सिंह हाड़ा ने एक व्यापारी के घर पर डकैती डालने के लिए बुलाया था।

कहीं घी घणां-कहीं मुट्ठी भर चना!

(पृष्ठ 1 का शेष)

सी.पी. जोशी को शिकस्त देने वाले कल्याण सिंह चौहान का गृह जिला राजसमंद भी खाली हाथ ही रहा है। नवगठित जिला प्रतापगढ़ बजट आवंटन के लिए तरसता ही रह गया। शिक्षा मंत्री मा. भंवरलाल मेघवाल एवं भाजपा के मुख्य सचेतक राजेन्द्र राठौड़ का गृह जिला चूरू किसी भी बजट घोषणा में अपने लिए बजट आवंटन नहीं करवा सका। टोंक जिले को भी मुख्यमंत्री ने बजट में कोई बड़ा तोहफा नहीं दिया है।

बसपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने के बाद मंत्री बने राजकुमार शर्मा और राजेन्द्र सिंह गुढ़ा का गृह जिला झुंझुनूं भी बजट में उपेक्षित ही रहा है। वनमंत्री रामलाल जाट के गृह जिले भीलवाड़ा को भी बजट से बड़ा तोहफा नहीं मिला है। धौलपुर भी उन जिलों में शामिल है जिसे कोई बड़ी योजना नहीं मिली है।

बजट घोषणाओं में प्रतिपक्षी सदस्यों के क्षेत्रों को देखें तो घनश्याम तिवाड़ी और गुलाबचंद कटारिया सहित आधा दर्जन को भी योजनाओं का तोहफा मिला है। माकपा विधायक अमराराम, पेमाराम, पवन दुग्गल खाली हाथ रहे।

रिफाइनरी पर संकट

(पृष्ठ 1 का शेष)

बढ़ाने के लिए आईओसी को भी इसमें शामिल किए जाने की तैयारी थी, लेकिन अब आईओसी ने अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। कंपनियां इस आधार पर अब पीछे हट रही हैं कि इस ऑयल फील्ड से अगले 7 वर्षों तक ही अधिकतम दोहन किया जा सकता है ऐसे में यह आर्थिक रूप से फायदेमंद नहीं होगा।

अलग-अलग दावे

दरअसल बाड़मेर में निकल रहे क्रूड ऑयल को लेकर भी अलग अलग तर्क सामने आ रहे हैं। एक ओर रिफाइनरी के हिस्सेदार आईओसी ने यह दावा किया है कि बाड़मेर ऑयल फील्ड का पीक प्रोडक्शन अगले 7-8 सालों तक का ही है, जबकि तेल दोहन कर रही केयर्न इंडिया इससे इत्तेफाक नहीं रखती है। केयर्न इंडिया के अनुसार प्रत्येक फील्ड के संबंध में इस तरह के दावे किए जा सकते हैं। कृष्णा गोदावरी बेसिन स्थित रव्वा ऑयल फील्ड के संबंध में भी 1990 में ऐसा दावा किया गया था लेकिन वहां अभी तक भी कच्चे तेल का सफलता से दोहन किया जा रहा है।

एक्सप्रेस हाइवे पर खौफनाक मंजर

(पृष्ठ 1 का शेष)

मौके पर पहुंची मुरलीपुरा थाना पुलिस ने दो फायर बिग्रेड की गाड़ियां मंगवाकर आग पर काबू पाया। इसमें किसी के कोई चोट नहीं आई। दो घंटे तक हाइवे पर जाम लग गया। पुलिस ने बताया कि रोड नम्बर 14 कृषि मंडी के पास आज सुबह 5 बजे केमिकल से भरा एक टैंकर बेकाबू होकर सड़क किनारे खड़े बजरी से भरे दो ट्रकों को टक्कर मारने के बाद पलट गया। दुर्घटना में टैंकर फूट गया और केमिकल बहकर सड़क पर आ गया तथा घर्षण के कारण आग लग गई। जैसे ही वहां से गुजर रहे वाहन चालकों को पता चला कि आग केमिकल में लगी है तो वे अपने वाहन छोड़कर इधर-उधर भागने लगे।

मौके पर पहुंची मुरलीपुरा थाना पुलिस ने तत्काल हाइवे पर आवागमन रुकवाकर दो अग्निशमन दमकलों को मौके पर बुलवाया। काफी मशक्कत के बाद दमकलों ने आग पर काबू पाया। लेकिन दहशत की वजह से आसपास के लोग भी एक किलोमीटर दूर भाग खड़े हुए। पुलिस ने दोनों वाहनों को हटाकर यातायात शुरू करवाया। समाचार लिखे जाने तक मौके पर अफरा-तफरी मची हुई थी।